

संज्ञा

किशनगढ़ नामक राज्य में रतनसेन नाम के एक राजा थे । किशनगढ़ में रावी नदी बहती थी । नदी के पानी में बहुत मिठास थी क्योंकि यह हिमालय पर्वत से निकलती थी । राजा के दरबार में एक मंत्री था भीमसेन। भीमसेन की चतुराई पूरे राज्य में प्रसिद्ध थी । उसका मानना था की भगवान जो भी करता है उसमें अच्छाई होती है । राजा को इस बात पर गुस्सा आता था । एक बार राजा जंगल में शिकार करने गए । भीमसेन भी उनके साथ ही थे । जंगल में राजा के पैर में चोट लग गई । राजा को बहुत तेज़ दर्द हो रहा था। तभी किसी सैनिक ने धीरे से बोल दिया कि जो होता है अच्छे के लिए होता है ।

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक